KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA
DEAN FACULTY OF ARTS & LANGUAGES

DIPLOMA COURSE IN URDU
2020-21

Outlines of the tests, syllabi and courses of reading for Diploma course in Urdu for the examination of 2020-21.

Total marks for the Diploma course: 250

Distribution of marks and Instruction for paper setters and examiners:

(i) Two written paper of 03. Hr. duration: 80 marks each
(ii) Internal Assessment: 20 marks each

There will be an internal assessment of 20 marks each for both the paper.

a) Two handwritten Assignments (1st Assignment after one month & 2nd Assignment after two months)
b) One Class Test (One period duration)
c) Attendance
   Marks for Attendance will be given as under:
   (1) 91% onwards: 5 marks
   (2) 81% to 90%: 4 marks
   (3) 75% to 80%: 3 marks
   (4) 70% to 75%: 2 marks*
   (5) 65% to 70%: 1 mark*

* for students engaged in co-curricular activities of the colleges only/ authenticated medical grounds duly approved by the concerned Principal.

(iii) Viva-voce Examination: 50 marks

Distribution of Marks:

i. Conversation 25 marks.
ii. Reading 10 marks.
iii. Pronunciation 15 marks.

DEAN FACULTY OF ARTS & LANGUAGES
KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA

Scheme of One Year Diploma Course in Urdu w.e.f. Session 2020-21 Under Choice Based Credit System (CBCS)

Diploma Course in Urdu

Paper No.	Name of the Subject	No. of Credit	Teaching Scheme (Hrs./Week)	Examination Scheme (Marks)			
				Theory Exam.	Internal Assessment	Total	Duration
DCU-101	Prose and Poetry	5	5	80	20	100	3 Hrs
DCU-102	Grammar & Composition	5	5	80	20	100	3 Hrs
DCU-103	Viva-Voce	2	-	50	-	50	-
DCU-104	Open Elective (Hindi Bhasha Sampreshan Kaushal)	2	2	40	10	50	2 Hrs
Total Credit Marks		**14**	**12**	**-**	**-**	**300**	**-**

(a) 80 Marks for External Examination and 20 Marks for Internal Assessment in each theory paper.

(b) In Open Elective Paper **:** 40 Marks for External Examination and 10 Marks for Internal Assessment.

(c) 50 marks for Viva-Voce.

DCU-101

Prose and Poetry

Credit: 5 **Max. Marks: 80+20**

Time allowed : 3 hrs **Theory-80, Internal Marks: 20**

1. Explanation of two prose passages (choice to be given).	20 marks
2. Centre Idea of a Prose Lesson Prescribed in the text book.	20 marks
3. Explanation of a stanza from poetry portion (Choice to be given).	20 marks
4. Centre Idea of a Prose Portion (Choice to be given)	10 marks.
5. Re-Translation of an unseen passage from English/Hindi.	10 marks.

Book prescribed:

1. Door Pass (Aathvin Jamat Ke liye)	National Council of Educational Research and Training, New Delhi-06.

DCU-102

Grammar and Composition

Credit: 5 **Max. Marks: 80+20**

Time allowed : 3 hrs **Theory-80, Internal Marks: 20**

1.	Write on below writers any one Dr. Iqbal, Maulana Hali, Faiz, Sahir Ludhianvi, Mirza Ghalib (Choice to be given)	15 marks
2.	Write any one below Urdu Asnaaf (Genre) Ghazal, Nazam, Novel, Short Story (Afsana).	15 marks
3.	Change the Gender (Choice to be given)	10 marks
4.	Singular plural (Choice to be given)	10 marks
5.	Prefix and suffixes (sabeqa and Lahqe)	10 marks
6.	Mutazaad and Mutaradif	10 marks
7.	Idioms (Muhavare) & usages.	10 marks

Books recommended:

1. Muavin-e-Urdu Nandan Publication Maler Kotla 148023.

DCU-103

Viva-Voce

Credit: 2 **Max. Marks: 50**

Distribution of Marks for Viva-voce Examination out of 50 marks

i.	Conversation	25 marks.
ii.	Reading	10 marks.
iii.	Pronunciation	15 marks.

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी'राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषदद्वारा प्रदत्त)

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति) एवं LOCF के अंतर्गत

डिप्लोमा कोर्स इन उर्दू

के लिए हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र 2020-21 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)		
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
DCU-104	**हिंदी भाषा संप्रेषण कौशल**	**02**	**02**	**40**	**10**	**50**

हिंदी भाषा संप्रेषण कौशल

क्रेडिट – 2 **कुल अंक-50**
समय-2 घंटे, **परीक्षा अंक – 40, आंतरिक मूल्यांकन –10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी भाषा में संप्रेषण कौशल का विकास।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- हिंदी भाषा संप्रेषण में सक्षम।
- सृजनात्मक, कार्यालयी व व्यावसायिक क्षेत्र में प्रयुक्त हिंदी भाषा का ज्ञान।

परीक्षा संबधी निर्देश –

- निर्धारित पाठ्यक्रम में से 10 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किन्हीं 05 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित हैं।

- निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 01 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- संप्रेषण की अवधारणाऔर महत्व, संप्रेषण के प्रकार (मौखिक और लिखित),
- संप्रेषण के माध्यम, संप्रेषण में बाधाएं और चुनौतियां,
- संप्रेषण के विविध रूप (साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा)
- प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली और उसकी निर्माण प्रक्रिया।
- प्रशासनिक भाषा का स्वरूप और महत्व, सरकारी पत्रों के प्रमुख अंग, कार्यालयी पत्र लेखन के विभिन्न प्रकार, प्रारूपण, टिप्पण।
- सृजनात्मक भाषा (अनुभूति की प्रधानता, अर्थ की विशिष्टता एवं विविधता, भाषा शैली की विविधता) सृजनात्मक भाषा के विविध पक्ष (शब्द शक्तियां, अंलकरण, सादृश्य विधान, मानवीकरण, मुहावरे, लोकोक्तियां)
- व्यावसायिक क्षेत्र की हिंदी (बैंक, बीमा, मीडिया),विज्ञापन की भाषा का स्वरूप और विशेषताएं, प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और ई-विज्ञापनों की भाषा

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार
- हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास – सत्यनारायण तिवारी
- राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान - देवेन्द्रनाथ शर्मा
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
- राजभाषा सहायिका – अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन
- जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग – प्रो. राम लखन मीना, कल्पना प्रकाशन
- जनसंपर्क सिद्धांत और व्यवहार – अर्जुन तिवारी